tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lpuk ,o tulEidl foHkkx

çsd %
lpuk ,o tulEidl vf/kdkjh

Øekd 109
fnukd 01-09-2017

,Y;feukbl ls lLFkk dks otu feyrk gS& çks- rksej tuÑfofo esa 1974 csp ds Ñf"k Lukrdksa dk gvk iqufeZyu

tcyiqj 01 flrEcjA ''हमारे एल्यूमिनाई आज देश–विदेश के सर्वोच्च प्रतिश्ठित संस्थानों में जिम्मेदाराना कार्य सम्पादित कर रहे हैं। एल्यूमिनाई से संस्था को वजन मिलता है, उनका सम्मान करना, उनसे लगातार मिलते रहना और उनके अनुभव का लाभ लेना बहुत जरूरी है।'' तदाशय के सारगर्भित उद्‌गार जनेकृविवि के कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने विवेकानन्द सभागार में आयेाजित जवाहरलाल नेहरू कृशि वि ववि‍द्यालय के 1974 बैंच के स्नातकों के पुनर्मिलन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किये। समारोह के अध्यक्ष नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान वि ववि‍द्यालय के कुलपति प्रो. प्रयागदत्त जुयाल ने गीता के श्लोक ''कर्मण्ये वधिकारस्ते मा फलेशु कदाचना'' को उद्‌धृत करते हुये कहा कि कर्म सर्वोपरि है वही धर्म है। विकास हेतु सबका साथ बहुत जरूरी है उन्होंने श्रीगुरूग्रंथसाहिब से श्री गुरूनानकदेव की गुरूवाणी ''हम नहीं चंगे बुरा नहीं कोय'' का उदाहरण देकर कहा कि दुनिया में कोई बुरा नहीं है, इसलिये सफलता के लिये सबका सहयोग बहुत जरूरी है। विशिश्ट अतिथि, मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के चेयरमेन डॉ. बी. बी. ब्यौहार स्मृतियों की धुंध में गोता लगाते भावुक होकर एकाएक रूआंसे हो गये। बमुश्किल स्वयं को संभालते हुए उन्होंने कहा कि माता पिता और गुरूजन ही मेरी शाक्ति प्रेरणा और विश्वास हैं, इन्हीं के आर्शीवाद से मेरा अस्तित्व और ईमान कायम है। इस मौके पर अधिश्ठाता कृशि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, कुलसचिव श्री अशोक कुमार इंगले, संचालक अनुसंधान एवं शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. पी.के. बिसेन, अधिश्ठाता कृशि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. आर.के. नेमा, अधिश्ठाता कृशि महाविद्यालय डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता आदि मंचासीन थे।

समारोह में वरिश्ठ कृषि वैज्ञानिक और शिक्षक डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा, डॉ. आर.एल. केशवाल, डॉ. जखमोला एवं डॉ. व्ही.बी.आर. नायडू को शाल और श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान 1974 बैंच के श्री उदय शंकर सिंह विधायक झारखंड, पूर्व कुलसचिव श्री राजेश पालीवाल, अशोक ठाकुर दिल्ली, डॉ. ए.के. खरे एडी. डायरेक्टर हॉटीकल्चर भोपाल एवं विनोद श्रीवास्तव जी.एम. यूको बैंक दिल्ली सहित सैकड़ों एल्यूमिनाई सदस्य उपस्थित थे, जिन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। डॉ. नरेन्द्र कुमार खम्परिया को आज ''हैपी बर्थ डे टू यू'' गीत के साथ जन्मदिन का खास तोहफा भी दिया गया। पूर्व में सरस्वती वंदना एवं दीप प्रजज्वलन के बाद कार्यक्रम के सूत्रधार एवं संयोजक कृशि अर्थशास्त्री डॉ. गोपाल प्रसाद अग्रवाल ने अतिथियों का पुश्पगुच्छ से अभिनंदन किया।

महाविद्यालय के वर्तमान छात्रों ने जोशीले नारे लगाकर अपने बुजुर्गो के प्रति सम्मान प्रकट किया। अन्त में समूह भोज के साथ सोल्लास समापन हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ए.के. कालवे तथा आभार प्रदर्शन उपकुलसचिव डॉ. ए.के. सरावगी ने किया। एल्यूमिनाई ने जहां एक–दूसरे के हाल–चाल जाने वहीं परस्पर परिवारों की भी सुध ली। इस दौरान समूह फोटो और सेल्फी का दौर भी खूब चला।

&000&

tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lwpuk ,oa tulEidZ foHkkx

çsl uksV %   Øekad 112
lwpuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh   fnukad 05-09-2017

Ñf"k oSKkfudksa dk 21 fnolh; jk"Vªh; çf'k{k.k çkjaHk
e`nk dk LokLF; o ekuo dk LokLF; gsrq oSKkfud nf"Vdks.k ls dk;Z gksa& çks- rksej
ns'k Hkj ls vk;s Ñf"k oSKkfud

tcyiqj 05 flrEcjA जवाहरलाल नेहरु कृषि वि ववविद्यालय के अन्तर्गत कृषि महाविद्यालय के मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन शास्त्र विभाग में 05 सितम्बर से 25 सितम्बर, 2017 तक सेन्टर ऑफ एडवांस फेकल्टी ट्रेनिंग (केफ्ट) के अंतर्गत 21 दिवसीय प्रशिक्षण प्रांरभ हुआ। विभागाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय प्रि ाक्षण के संचालक Mk- ch-lfPpnkuan ने बताया कि इस वर्ष यह 31वाँ प्रि ाक्षण ^^vf/kd mRiknu ,oa ekuo LokLF; gsrq e`nk LokLF; o moZjrk dk çca/ku** विषय पर आयोजित किया गया है तथा इसमें 09 राज्यों के 25 विभिन्न विशयों के कृषि वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं। उद्घाटन के दौरान माँ सरस्वती की पूजा व दीप प्रज्जवलन किया गया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विजय सिंह तोमर ने कहा कि यह प्रशिक्षण आप सभी को मृदा की उर्वरता, मानव स्वास्थ्य व खेती में आप सभी वैज्ञानिक अपना योगदान कैसे दें ताकि कृशि उत्पादन को दुगना किया जा सके इस प्रशिक्षण से आपको भविश्य में अति विशेश लाभ प्राप्त हो। साथ ही संचालक अनुसंधान सेवाऐं डॉ. धीरेन्द्र खरे एवं कृशि महाविद्यालय, अधिश्ठाता डॉ. (श्रीमति) ओमगुप्ता ने अपने विचार रखे एवं सभी को शिक्षक दिवस की शुभकामनाऐं दी।

स्वागत भाशण डॉ. ए.के. द्विवेदी प्रमुख वैज्ञानिक ने दिया एवं कार्यक्रम का संचालन मृदा वैज्ञानिक डॉ. भोखर सिंह बघेल व आभार प्रदर्शन डॉ. एच.के.राय, वरिश्ठ वैज्ञानिक द्वारा किया गया। इस 21 दिवसीय राश्ट्रीय प्रि ाक्षण में विभाग के डॉ. एन. जी. मित्रा, डॉ. बी.एस. द्विवेदी, डॉ. ए. के. उपाध्याय, डॉ. जी. एस. टेगौर, डॉ. राके ा साहू, फूलचंद अमूले, अभिशेक भार्मा, डॉ. विनोद कुमार, गोपाल हलेचा, राजकुमार काछी एवं मृदा विज्ञान विभाग के सभी कर्मचारी एवं छात्र–छात्राओं की सक्रिय भागीदारी है।

&000&

tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lwpuk ,oa tulEidZ foHkkx

çs"kd % Øekad 113
lwpuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh fnukad 06-09-2017

Ñf"k fo'ofo|ky; ds dqyifr us djk;k ty laj{k.k dk ladYi

tcyiqj 06 flrEcjA शिक्षक दिवस पर कृषि महाविद्यालय के विवेकानंद सभागार में समस्त प्राध्यापकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने समस्त गुरूजनों को तिलक लगाकर और श्रीफल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने भारतीय संस्कृति में गुरू और शिष्य की सबसे महान परम्परा को आगे निरंतर चलती रहे ऐसे कृषि विश्वविद्यालय परिवार के समस्त विद्यार्थियो और शिक्षकों के बीच अपने विचार रखे और कृषि वैज्ञानिक होने के नाते जल की कमी को ध्यान में रखकर कार्यक्रम में उपस्थित सभी को जल संरक्षण का संकल्प दिलाया।

कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के. बिसेन, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी और कार्यक्रम की अध्यक्ष अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. श्रीमति ओम गुप्ता तथा सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, प्राध्यापक और छात्र–छात्राऐं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक रंजीत धाकड ने संचालन किया तथा कार्यक्रम में उपस्थित सभी का आभार रामवरण शर्मा ने किया।

&000&

tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lapuk ,oa tulEidZ foHkkx

çs"kd %　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　Øekad 114
lapuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh　　　　　　　　　　fnukad 11-09-2017

ç/kkueU=h ds lokn dk thor çlkj.k dk lk{kh cus Ñf"k Nk=

tcyiqj 11 flrEcjA जवाहरलाल नेहरु कृशि वि वविद्यालय के अंतर्गत कृशि महाविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में पडिंत दीनदयाल उपाध्याय जन्म ताब्दी वर्श व स्वामी विवेकानंद के ि ाकागो उद्बोधन के 125वें वर्श पूरे होने के अवसर पर भारत के ऊर्जावान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर 2022 तक नये भारत के निर्माण का संकल्प लेने हेतु कार्यक्रम में दूरद नि का लाइव टेलीकास्ट में सभी कृशि छात्र–छात्राओं की सक्रिय भागीदारी रही इस दौरान वि वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर, संचालक विस्तार सेवाये डॉ. पी.के. बिसेन, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. भारद तिवारी, अधिश्ठाता कृशि महाविद्यालय, डॉ. श्रीमति ओमगुप्ता, अधिश्ठाता कृशि अभियांत्रिकी डॉ. आर.के. नेमा, अधिश्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी अन्य विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर, वैज्ञानिक व बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं की उपस्थिति रही।

युवा भारत, नया भारत का संकल्प के साथ सभी ने ऊर्जावान राश्ट्र संकल्प से सिद्धि की, और में अपना योगदान देने का संकल्प लिया व वि वविद्यालय कैम्पस में स्वच्छता व साफ सफाई पर वि ोश योगदान देंगे वर्श 2022 तक नये भारत के निर्माण का संकल्प लिया।

इस कार्यक्रम के आयोजन में छात्र कल्याण अधिकारी डॉ. भोखर सिंह बघेल व श्री आलोक राजपूत का वि ोश योगदान रहा।

&000&

çs"kd %
lapuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh

Øekad 115
fnukad 11-09-2017

Mk- fç;adj jkgk }kjk lkrok¡ Mk- ,u-ih- nRrk eseksfj;y ysDpj

tcyiqj 11 flrEcjA जवाहरलाल नेहरु कृषि वि वविद्यालय के अन्तर्गत कृषि महाविद्यालय के मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन शास्त्र विभाग में आयोजित राश्ट्रीय प्रशिक्षण में आऐ बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय के आचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. प्रियंकर राहा द्वारा सातवाँ डॉ. एन.पी. दत्ता मेमोरियल लेक्चर ऑफ इंडियन सोसायटी ऑफ स्वाईल साईंस का व्याख्यान किया गया, इस मेमोरियल लेक्चर का आयोजन जबलपुर चेप्टर ऑफ इंडियन सोसायटी ऑफ स्वाईल साइंस के अंतर्गत आयोजित किया गया इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. भारद तिवारी डॉ. बी. सच्चिदानंद उपस्थित रहे। आचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बी. सच्चिदानंद ने बताया कि इस व्याख्यान में वर्तमान में मृदा व पानी में प्रदूशण के कारण एवं लगातार रासायनिक दवाओं के प्रयोग के परिणामस्वरूप मानव स्वास्थ पर जो विपरीत प्रभाव पड़ रहा इसकी विस्तार से जानकारी दी गई इस व्याख्यान के दौरान राश्ट्रीय प्रशिक्षण में 09 राज्यों के प्रि ाक्षार्थी के साथ ही एम.एस.सी., पी.एच.डी. के छात्र–छात्राओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. भोखर सिंह बघेल एवं आभार प्रदर्शन वरिश्ठ वैज्ञानिक डॉ. एच.के. राय द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम में डॉ. ए.के. भौमिक, डॉ. ए.के. द्विवेदी, डॉ. एन. जी. मित्रा, डॉ. बी. एस. द्विवेदी, डॉ. ए. के. उपाध्याय, डॉ. जी. एस. टेगौर, डॉ. राके ा साहू, फूलचंद अमूले, अभिशेक भार्मा, डॉ. विनोद कुमार, गोपाल हलेचा, राजकुमार काछी एवं मृदा विज्ञान विभाग के सभी कर्मचारी एवं छात्र–छात्राओं की सक्रिय भागीदारी है।

&000&

tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lapuk ,oa tulEidZ foHkkx

çskd % Øekad 116
lapuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh fnukad 15-09-2017

bl ckj 7 fnuh gksxk tusÑfofo dk LFkkiuk fnol cSLV ;wfuoflZVh Vhpj vokMZ gsrq gq, O;k[;ku

tcyiqj 11 flrEcjA जवाहरलाल नेहरु कृषि वि ववविद्यालय का 54वॉ स्थापना दिवस समारोह आगमी 1 से 7 अक्टूबर तक सात दिनी कार्यक्रम के साथ धूमधाम से मनाया जायेगा। इसमें जहां प्रदेश के प्रगतिशील कृशकों का सम्मान होगा, वहीं जनेकृविवि के 6 महाविद्यालयों में से एक चयनित शिक्षक को सर्वश्रेश्ठ विवि शिक्षक अवार्ड भी दिया जायेगा। इसी कड़ी में आज यहां विवेकानन्द सभागार में बेस्ट टीचर अवार्ड हेतु प्रतिस्पर्धात्मक व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि एवं जज के रूप में मेडिकल विवि के कुलपति डॉ. आर.एस. शर्मा, भूतपूर्व अधिश्ठाता डॉ. एम.एन. खरे, अधिश्ठाता कृशि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, कुलसचिव श्री अशोक कुमार इंगले, संचालनालय खरपतवार निदेशालय की निदेशक डॉ. (श्रीमति) शोभना सोंधिया, संचालक अनुसंधान सेवाएं एवं संचालक शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिश्ठाता कृशि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. आर.के. नेमा, अधिश्ठाता कृशि महाविद्यालय डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता एवं चयन समिति आदि शामिल थे, जिनके समक्ष 4 प्रतिभागी शिक्षक– कृशि महाविद्यालय जबलपुर के सस्य विज्ञान विभाग के वरिश्ठ प्राध्यापक डॉ. एम.एल. केवट, जैव प्रौद्योगिकी के सहप्राध्यापक डॉ. योगरंजन, टीकमगढ़ से पौध रोग विभाग के डॉ. बी.के. यादव, गंजबसौदा एवं कृशि अभियांत्रिकी महाविद्यालय जबलपुर के सहायक प्राध्यापक प्रो. सी.एम. एब्राल द्वारा व्याख्यान दिया गया। इनमें से चयनित एक शिक्षक को स्थापना दिवस पर अवार्ड दिया जायेगा। व्याख्यान हेतु जहां 15 अंक हैं, वहीं अधिश्ठाता के पास 35 अंक तथा छात्रों के हाथ 50 अंक हैं। कुल 100 अंक रखे गए हैं। पी.पी.टी. प्रदर्शन के माध्यम से चयन होगा। इस मौके पर समस्त विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, वैज्ञानिक एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राऐं भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र के संचालक डॉ. एल.पी.एस. राजपूत एवं आभार प्रदर्शन डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम में श्री आर.के. पाण्डे एवं श्री रघुनाथ का सरहानीय योगदान रहा।

&000&

tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lapuk ,oa tulEidZ foHkkx

çskd % Øekad 117
lapuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh fnukad 18-09-2017

कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सलाह जरुर अपनायें– गौरीशंकर बिसेन

tcyiqj 18 flrEcjA जवाहरलाल नेहरू कृशि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा गत दिवस सिवनी के पलारी विकासखण्ड में आयोजित एक दिवसीय विकासखण्ड कृषक वैज्ञानिक संगोष्ठी में भाग लिया गया। संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के. बिसेन ने बताया के खरीफ में अवर्षा/अल्पवर्षा से उत्पन्न विषम परिस्थितियों में कृषकों की समस्याओं के समाधान हेतु माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश के 373 विकासखण्डों में कृषि वैज्ञानिकों से कृषकों का सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य वर्तमान में खरीफ की प्रमुख फसलों को कैसे बचाया जाये एवं आने वाले रबी के मौसम में कम नमी में परंपरागत फसलों की खेती कैसी की जाये या इनकी जगह पर नई फसलों का चुनाव कैसे किया जाये। इस हेतु कृषि विश्वविद्यालय से फसलवार विशेषज्ञों की टीम पलारी विकासखण्ड में उपस्थित रही एवं मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री की उपस्थिति में किसानों की समस्याओं का समाधान किया गया। डॉ. बिसेन ने बताया कि इस अवसर पर प्रदेश के मौसम के लिये आकस्मिक कार्य योजना जो विश्वविद्यालय के अंतर्गत 20 जिलों के लिये तैयार की गई थी का विमोचन मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। इसके साथ ही पूरे प्रदेश में अनवरत इन संगोष्ठियों का आयोजन प्रारंभ हो गया है। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिकों की उपस्थिति को मुख्यमंत्री द्वारा सराहा गया। विश्वविद्यालय के दल में डॉ. जी.के. कौतु, डॉ. आर. एस. शुक्ला, डॉ. (श्रीमति) अनीता बब्बर, डॉ. मनोज श्रीवास्तव, डॉ. एस.वी. दास, डॉ. डी.के. पहलवान, डॉ. टी.आर. शर्मा, डॉ. संजय वैशम्पायन, डॉ. एस.वी. अग्रवाल, डॉ. वाय.एम. शर्मा, डॉ. प्रमोद गुप्ता एवं डॉ. अनय रावत द्वारा कृषकों की समस्याओं का समाधान किया गया। कार्यक्रम के दौरान कृषि संबंधी योजनाओं पर भी चर्चा माननीय मुख्यमंत्री द्वारा की गई। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी कृशि वैज्ञानिक डॉ. अनय रावत, संचालनालय विस्तार सेवायें, जनेकृविवि, जबलपुर द्वारा सभी वैज्ञानिकों का आभार व्यक्त किया गया।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyi|j
lpuk ,o tulEidl foHkkx

çskd % Øekd 118
lpuk ,o tulEidl vf/kdkjh fnukd 25-09-2017

enk dk l|/kkj gr| lHkh oKkfud ftEenkjh l dk;l dj& çk- rkej
Ñf"k oKkfudk dk 21 fnolh; jk"Vªh; çf'k{k.k lekiu
9 jkT;k l vk;s Ñf"k oKkfud

tcyi|j 25 flrEcjA जवाहरलाल नेहरु कृषि वि वविद्यालय के अन्तर्गत कृषि महाविद्यालय के मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन शास्त्र विभाग में 05 सितम्बर से 25 सितम्बर, 2017 तक सेन्टर ऑफ एडवांस फेकल्टी ट्रेनिंग (केफ्ट) के अंतर्गत 21 दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। विभागाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय प्रि ाक्षण के संचालक Mk- ch-lfPpnkun ने बताया कि इस वर्ष यह 31वाँ प्रि ाक्षण ^^vf/kd mRiknu ,o ekuo LokLF; gr| enk LokLFk o mo|jrk dk çc/ku** विषय पर आयोजित किया गया है तथा इसमें 09 राज्यों के 20 विभिन्न विशयों के कृषि वैज्ञानिकों ने भाग लिया। समापन के दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने कहा कि यह प्रशिक्षण आप सभी को मृदा की उर्वरता, मानव स्वस्थ्य व खेती में आप सभी वैज्ञानिक अपना योगदान कैसे दें ताकि कृशि उत्पादन को दुगना किया जा सके इस प्रशिक्षण से आपको भविश्य में अति विशेश लाभ प्राप्त हो। साथ ही संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. धीरेन्द्र खरे एवं कृशि महाविद्यालय, अधिश्ठाता डॉ. (श्रीमति) ओमगुप्ता, अधिश्ठाता कृशि अभियांत्रिकी महाविद्यालय डॉ. आर.के. नेमा, विभागाध्यक्ष डॉ. एस.डी. उपाध्याय, डॉ. गिरीश झा की उपस्थिति रही।

डॉ. बी. सच्चिदानंद केफ्ट संचालक द्वारा बताया गया कि मृदा विज्ञान विभाग में इस प्रकार का प्रि ाक्षण लगातार विगत 21 वर्शो से प्रतिवर्श होता आ रहा है एवं यह 31वाँ प्रशिक्षण था जिसमें विभिन्न विशयों के 09 राज्यों के 20 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस दौरान सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक व्याख्यान दिये गये, प्रशिक्षण के दौरान भारत के विभिन्न कृशि विवि एवं संस्थाओं के ख्यातिलब्ध वैज्ञानिकों द्वारा जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में कृशि में उपयोगी सूक्ष्म जीवों की महत्ता, जैविक खेती, संतुलित खाद का प्रयोग, प्राकृतिक संसाधनों का टिकाऊ उपयोग एवं सूक्ष्म पोशक तत्व मृदा का सही व संतुलित उपयोग विशयों पर व्याख्यान दिये गये, एवं स्टडी भ्रमण के दौरान जबलपुर की जैव विविधता को जानने हेतु वि व प्रसिद्ध भेड़ाघाट, बीसा फार्म, राश्ट्रीय खरपतवार अनुसंधान केन्द्र, औशधीय उधान, जैव उर्वरक उत्पादन केन्द्र जैव विविधता का अध्ययन व भारत के प्रथम केन्द्रीय आदिवासी वि वविद्यालय अमरकंटक का भ्रमण व जानकारी, कृशि विज्ञान केन्द्र डिन्डौरी के प्रक्षेत्र भ्रमण व आदिवासी जनजाती का प्रमुख लघु धान फसले कोदो, कुटकी की किस्में एवं उत्पादन तकनीक, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विश्वविद्यालय, ट्रॉपीकल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा विस्तार से जानकारी प्राप्त की। प्रि ाक्षार्थियों को बोरलॉग इस्टीट्यूट फार साऊथ एि ाया, खमरिया का भ्रमण, गोबर गैस प्लांट पनागर, बरगी बांध एवं अन्य प्राकृतिक स्थानों का भ्रमण कराया गया।

कार्यक्रम का संचालन मृदा वैज्ञानिक डॉ. भोखर सिंह बघेल व आभार प्रदर्शन डॉ. ए.के. द्विवेदी, प्रमुख वैज्ञानिक द्वारा किया गया। 21 दिवसीय प्रि ाक्षण में प्रि ाक्षार्थियों में से डॉ. आर.पी. जोशी, रीवा एवं डॉ. पूनम इंदूभाई, गुजरात द्वारा अपने अनुभव व्यक्त किये एवं इस प्रि ाक्षण की सराहना की।

समापन के दौरान ट्रेनिंग का कम्पेंडियम एवं प्रायोगिक तकनीकि साहित्य का विमोचन एवं सभी प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये। इसी दौरान श्री पीयूश श्रीवास्तव, चीफ रिपोर्टर को ''एक्सीलेंट टेक्नीकल सपोर्ट'' हेतु कुलपति प्रो. तोमर द्वारा सम्मानित किया गया।

इस 21 दिवसीय राश्ट्रीय प्रि ाक्षण में विभाग के डॉ. एन. जी. मित्रा, डॉ. बी.एस. द्विवेदी, डॉ. ए. के. उपाध्याय, डॉ. जी. एस. टेगौर, डॉ. राके ा साहू, फूलचंद अमूले, अभिशेक भार्मा, डॉ. विनोद

कुमार, गोपाल हलेचा, राजकुमार काछी एवं मृदा विज्ञान विभाग के सभी कर्मचारी एवं छात्र–छात्राओं की सक्रिय भागीदारी रही।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lpuk ,o tulEid foHkkx

çskd % | Øekd 119
lpuk ,o tulEid vf/kdkjh | fnukd 27-09-2017

fdlkuks dh ekx ds vuq:i xq.koRrk;qDr chtksRiknu djs& çks- rkej

tuÑfofo viuš ç{ks=ks e vkxkeh jch ekSle grq 765 gsDVs;j {ks= esa 59 mUur fdLeks ds 19233 fDoVy çtud chtks dk mRiknu djsxk

tcyiqj 27 flrEcjA जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में रबी सीजन में उत्पादकता बढ़ाने के लिए गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन हेतु नई रणनीति एवं भावी कार्ययोजना बनाने के लिये दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने वर्तमान में वातावरण में आ रहे बदलाव के मद्देनजर नई सामयिक रणनीति बनाने का सुझाव दिया। साथ ही वैज्ञानिकों से बीज उत्पादक संस्थाओं एवं किसानों की मांग के अनुरूप विभिन्न फसलों की नई उन्नत किस्मों के गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन की कार्य योजना भी तैयार करने का आव्हान किया जिससे ज्यादा से ज्यादा किसानों को बीज की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. धीरेन्द्र खरे एवं संचालक प्रक्षेत्र डॉ. शरद तिवारी ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रक्षेत्रों में आगामी रबी मौसम हेतु 765 हैक्टेयर क्षेत्र में 59 उन्नत किस्मों के 19233 क्विंटल प्रजनक बीजों के उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम में खरीफ मौसम के बीज उत्पादन कार्यक्रम की भी समीक्षा की गई। इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के. बिसेन, उपलेखानियंत्रक डॉ. यू.के. खरे, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आर.एस. शुक्ला, प्रशासनिक अधिकारी प्रक्षेत्र श्री अजय जायसवाल एवं जनेकृविवि के मध्यप्रदेश में स्थित कृषि महाविघालयों, अनुसंधान केन्द्रों एवं प्रक्षेत्रों के अधिष्ठातागण, प्रभारी वैज्ञानिक एवं अधिकारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत संचालक प्रक्षेत्र डॉ. शरद तिवारी ने किया तथा प्रधान वैज्ञानिक डॉ. जी.के. कोतू ने आभार व्यक्त किया।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lpuk ,o tulEidZ foHkkx

çsl uksV %
lpuk ,o tulEidZ vf/kdkjh

Øekad 120
fnukad 29-09-2017

7 fnu pysxk tUefofo dk 54oka LFkkiuk fnol

fofo esa mRlkg dk ekgkSy

tcyiqj 29 flrEcjA जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय का 54वॉ स्थापना दिवस 1 अक्टू. से 7 अक्टू. तक विविध आयोजनों के साथ मनाया जायेगा। 1 अक्टू. को प्रातः 11 बजे पं. जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. धीरेन्द्र खरे विवि उपलब्धि पर व्याख्यान देंगे। 2 अक्टू. को राश्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लालबहादूर शास्त्रीजी की जयंती पर प्रातः 9.30 बजे से स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा। 3 अक्टू. को अपरान्ह 3 बजे भावान्तर भुगतान योजना कृशकों के हित में विशय पर वाद—विवाद प्रतियोगिता होगी। 4 अक्टू. को प्रातः 10 बजे विभागावार उपलब्धियों एवं भावी योजनाओं पर प्रस्तुतिकरण होगा। 5 अक्टू. प्रातः 9.30 बजे वर्शा ऋतु में संपंन वृक्षारोपण में लगाये पौधों की निंदाई—गुड़ाई होगी। 6 अक्टू. को अपरान्ह 3 बजे एम.एस.सी. एवं पी.एच.डी. छात्रों की पोस्टर प्रतियोगिता होगी। 7 अक्टू. को प्रातः 11 बजे से श्री गौरीशंकर बिसेन कृषि मंत्री के मुख्यातिथ्य में स्थापना दिवस का मुख्य आयोजन आरंभ होगा। यहां मुख्य अतिथि द्वारा प्रक्षेत्र भ्रमण, कृशि प्रर्दशिनी/पोस्टर का अवलोकन एवं एम.बी.ए./स्टूडियो भवन का लोकार्पण करेंगे। पश्चात् 12 बजे कृशि महाविद्यालय सभागार में आयोजित भव्य समारोह में कृशकों एवं वैज्ञानिकों का सम्मान होगा। आज सम्पन्न बैठक में कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस मौके पर अधिश्ठाता कृशि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, कुलसचिव श्री अशोक कुमार इंगले, लेखानियंत्रक श्री अनिल केशरवानी, संचालक अनुसंधान सेवायें एवं शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के. बिसेन, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. भारद तिवारी, अधिश्ठाता कृशि अभियांत्रिकी डॉ. आर.के. नेमा, अधिश्ठाता कृशि महाविद्यालय, डॉ. श्रीमति ओम गुप्ता एवं अधिश्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी सहित समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। आयोजन की सफलता हेतु 101 सदस्यीय 14 समितियों का गठन किया गया है। अधिश्ठाता कृशि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा को समन्वयक समिति का चेयरमेन नियुक्त किया गया है। स्थापना दिवस के तहत विश्वविद्यालय में उत्साह का माहौल है।

&000&